न्यूज डायरी

तालिबान ने चीन को बताया मित्र, अफगानिस्तान में किया स्वागत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। अफगानिस्तान के एक ट्रिल्यन डॉलर की खनिज संपदा पर नजरे गड़ाए चीन को तालिबान ने अपना मित्र करार देते हुए उसका स्वागत किया है। तालिबान ने यह भी कहा कि वह अफगानिस्तान के पुनर्निमाण में चीन के निवेश पर जल्द से जल्द बातचीत करना चाहता है। तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने दावा किया कि अब उनका संगठन देश के 85 फीसदी इलाके को नियंत्रित करता है। शाहीन ने उइगर मुस्लिमों पर चीन का साथ देते हुए कहा कि हम ड्रैगन विरोधी उइगर लड़ाकुओं को अपने देश में शरण नहीं देंगे। सुहैल शाहीन ने कहा कि वह चीनी निवेश और उनके कामगार वापस लौटते हैं तो वह उनकी सुरक्षा की गारंटी देता है। सुहैल शाहीन ने दिस वीक इन एशिया से बातचीत में कहा, हम चीन का स्वागत करते हैं। अगर उनकी निवेश की इच्छा है तो हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। चीनी निवेश और उनके कामगारों की सुरक्षा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी सेना ने बनाई ऐसी खास दवा, बूढ़े नहीं होंगे सैनिक, जमकर लड़ेंगे युद्ध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना ने अपने सैनिकों की क्षमता को और बढ़ाने के लिए बुढ़ापे को रोकने वाली एक नई दवा का निर्माण किया है। इस दवा का अब परीक्षण शुरू कर दिया जाएगा। यह दवा बूढ़े होने के असर को या तो कम कर देती है या उसे रोक देती है। इस दवा को अमेरिकी सेना के स्पेशल ऑपरेशन कमांड ने विकसित किया है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय सैनिकों की क्षमता को बढ़ाना चाहता है, इसी वजह से इस खास दवा का निर्माण किया गया है। ब्रेकिंग डिफेंस की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेना की दवा से एक यौगिक पदार्थ का स्तर बढ़ जाता है। इससे यह आशा जताई जा रही है कि इससे सूजन और न्यूरोडीजेनेरेशन कम हो जाएगी। साथ ही कोशिकाएं फिर से जवान हो जाती हैं।

भारतीय मूल की मीना शेषमणि को बनाया यूएस सेंटर फॉर मेडिकेयर का निदेशक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। भारतीय–अमेरिकी स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ डॉ. मीना शेषमणि को श्यूएस सेंटर फॉर मेडिकेयरश का निदेशक नियुक्त किया गया है। इस बीच, विभिन्न क्षेत्रों के तीन भारतीय अमेरिकी विशेषज्ञों को एएपीआइ विक्ट्री एलायंस के थिंक टैंक एडवाइजरी बोर्ड में शामिल किया गया है। इनके नाम मनीष बापना, पवन ढींगरा और संजय मिश्रा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नेतृत्व में स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ डॉ. मीना शेषमणि ने सत्ता हस्तांतरण के दौरान स्वास्थ्य एवं मानव सेवा एजेंसी समीक्षा दल के साथ भी काम किया था। शेषमणि मेडिकेयर कवरेज पर निर्भर 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों, दिव्यांगों और गुर्दे की बीमारी से पीड़ित लोगों की सेवा करने में संस्थान के प्रयासों का नेतृत्व करेंगी।

वियतनाम युद्ध से अफगानिस्तान की तुलना से इनकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के ऐलान के बाद से ही तालिबान ने हमले तेज कर दिए हैं। इस बीच दुनियाभर में यह चर्चा आम हो गई है कि क्या अमेरिकी सेना अफगानिस्तान में तालिबान से हार गई। दरअसल, अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के नाम पर अफगानिस्तान से तालिबान को खत्म करने के लिए लगभग 20 साल तक जंग लड़ी। इतना ही नहीं, तालिबान के साथ जंग में 2300 अमेरिकी सैनिक भी शहीद हुए। अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना का बाहर निकलना वियतनाम शैली की पराजय नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अफगानिस्तान में अपनी जीत की घोषणा भी नहीं करने वाला है। बाइडन ने बुधवार को ऐलान किया कि अमेरिकी सेना 11 सितंबर नहीं, बल्कि 31 अगस्त को ही अफगानिस्तान में अपने सैन्य अभियान को बंद कर देगी।

दुनिया में हर एक मिनट में भुखमरी से 11 लोगों की होती है मौत

ऑक्सफैम

बीते एक साल में अकाल जैसे हालात का सामने करने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई छह गुना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काहिरा। भोजन की भारी कमी से जूझ रही दुनिया में भूख से मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। गरीबी उन्मूलन के लिए काम करने वाले संगठन 'ऑक्सफैम' ने कहा है कि दुनियाभर में भुखमरी के कारण हर एक मिनट में 11 लोगों की मौत होती है। बीते एक साल में पूरी दुनिया में अकाल जैसे हालात का सामने करने वाले लोगों की संख्या छह गुना बढ़ गई है।

ऑक्सफैम ने 'दि हंगर वायरस मल्टीप्लाइज' नाम की रिपोर्ट में कहा कि भुखमरी के कारण मरने वाले लोगों की संख्या कोविड–19 के कारण मरने वाले लोगों की संख्या से अधिक हो गई है। कोविड–19 के कारण दुनिया में हर एक मिनट में करीब सात लोगों की जान जाती है। ऑक्सफैम अमेरिका के अध्यक्ष एवं सीईओ एब्बी मैक्समैन ने कहा, 'आंकड़े हैरान करने वाले हैं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ये आंकड़े उन लोगों से बने हैं जो अकल्पनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं।' रिपोर्ट में कहा गया कि दुनिया में करीब 15.5 करोड़ लोग खाद्य असुरक्षा के भीषण संकट का सामना कर रहे हैं और यह आंकड़ा पिछले वर्ष के आंकड़ों की तुलना में दो करोड़ अधिक है।

5,20,000 से अधिक लोग भुखमरी की कगार पर: इनमें से करीब दो तिहाई लोग भुखमरी के शिकार हैं और इसकी वजह है उनके देश में चल रहा सैन्य संघर्ष। मैक्समैन ने कहा, 'कोविड–19 के आर्थिक दुष्प्रभाव और बेरहम संघर्षों, विकट होते जलवायु संकट ने 5,20,000 से अधिक लोगों को भुखमरी की कगार पर पहुंचा दिया है। वैश्विक महामारी से मुकाबला करने के बजाए, परस्पर विरोधी धड़े एक दूसरे से लड़ रहे हैं जिसका असर अंततरू उन लाखों लोगों पर पड़ता है जो पहले ही मौसम संबंधी आपदाओं और आर्थिक झटकों से बेहाल हैं।' ऑक्सफैम ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के बावजूद विश्व भर में सेनाओं पर होने वाला खर्च महामारी काल में 51 अरब डॉलर बढ़ गया, यह राशि भुखमरी को खत्म करने के लिए संयुक्त राष्ट्र को जितने धन की जरूरत है उसके मुकाबले कम से कम छह गुना ज्यादा है। इस रिपोर्ट में जिन देशों को 'भुखमरी से सर्वाधिक प्रभावित' की सूची में रखा है वे देश हैं अफगानिस्तान, इथियोपिया, दक्षिण सूडान, सीरिया और यमन। इन सभी देशों में संघर्ष के हालात हैं।

भुखमरी को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा: मैक्समैन ने कहा, 'आम नागरिकों को भोजन पानी से वंचित रखकर और उन तक मानवीय राहत नहीं पहुंचने देकर भुखमरी को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। बाजारों पर बम बरसाए जा रहे हों, फसलों और मवेशियों को खत्म किया जा रहा हो तो लोग सुरक्षित नहीं रह सकते और न ही भोजन तलाश सकते हैं।' संगठन ने सरकारों से अनुरोध किया कि वे संघर्षों को रोकें अन्यथा भुखमरी के हालात विनाशकारी हो जाएंगे।

अब खाने पर फोकस करेंगे तानाशाह किम जोंग उन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अब परमाणु बम बनाने की जगह अपने देश को अकाल से निकालने की कोशिश में जुटे हैं। माना जा रहा है कि कोरोना वायरस लॉकडाउन के कारण उत्तर कोरिया की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। इस कारण आधी से ज्यादा आबादी को खाने के लाले पड़ रहे हैं। किम जोंग ने इस साल की शुरुआत में ही चेतावनी देते हुए कहा था कि उत्तर कोरिया 1994–1998 की आपदा के बराबर अकाल का सामना कर सकता है। इस अकाल में 35 लाख लोगों की मौत हुई थी।

उत्तर कोरिया में गहरा रहा खाद्यान संकट: रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया में जैसे–जैसे खाद्यान संकट गहरा रहा है, वैसे–वैसे किम जोंग उन अपनी नीतियों को सेना से हटाकर नागरिकों पर शिफ्ट कर रहे हैं। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने किम जोंग उन की अपने परिवार के मकबरे पर कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ फोटो जारी की थी। किम के साथ पहली पंक्ति में खड़े सभी लोग सामान्य कपड़े पहने हुए हैं, जबकि सैन्य वर्दी वाले अधिकारी पीछे खड़े हैं। उत्तर कोरिया के बैलिस्टिक हथियार कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण शख्स री प्योंग चोल किम जोंग–उन से कई पंक्ति पीछे खड़ा दिखाई दे रहा है।

बाल्टिक सागर में दिखी रूसी किलर परमाणु पनडुब्बी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। अमेरिका और ब्रिटेन के साथ बढ़ते तनाव के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी नौसेना की किलर परमाणु पनडुब्बी को बाल्टिक सागर में तैनात कर दिया है। ऑस्कर–प्प क्लास की परमाणु शक्ति से चलने वाली यह क्रूज मिसाइल पनडुब्बी अपने साथ कई महाविनाशक मिसाइलों को लेकर गश्त कर रही है। बताया गया कि इस इलाके में रूसी नौसेना की दो और परमाणु पनडुब्बियों को देखा गया है। इनमें से एक पनडुब्बी पर तो 16 सबमरीन लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलें लगी हुई हैं, जो एक साथ 96 ठिकानों पर परमाणु हमला कर सकती हैं।

ओआईसी के सहारे भारत को बदनाम करने की कोशिश में पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान इन दिनों संयुक्त राष्ट्र में मुंह की खाने के बाद अब इस्लामिक देशों के संगठन के जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है। पांच जुलाई को पाकिस्तान के बरगलाने पर गुमराह होते हुए ओआईसी ने कश्मीर में एक शिष्टमंडल भेजने बात की थी। दरअसल, ओआईसी के कार्यकारी प्रमुख ने सऊदी अरब में भारतीय राजदूत के साथ दुर्लभ मुलाकात में भारतीय मुसलमानों के मुद्दे को उठाया और जम्मू–कश्मीर में एक प्रतिनिधिमंडल भेजने का प्रस्ताव दिया था।

इस्लाम और कश्मीर पर दे रहा ज्ञान

तीखी प्रतिक्रिया: भारतीय विदेश मंत्रालय ने ओआईसी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह पाकिस्तान जैसे निहित स्वार्थी तत्वों को पक्षपातपूर्ण और एकतरफा प्रस्ताव के जरिये भारत विरोधी दुष्प्रचार के लिये समूह के मंच का इस्तेमाल नहीं करने दे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि ओआईसी चीफ के साथ बैठक के दौरान कई विषयों पर चर्चा हुई। हमारे राजदूत ने उन्हें बताया कि भारत के बारे में गलत धारणा को ठीक किये जाने की जरूरत है जो निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा फैलाया जाता है।

पाकिस्तान के बहकावे में आया ओआईसी!: ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कंट्रीज दुनियाभर के मुसलमान मुल्कों का रहनुमा होने का दावा करता है। 25 सितंबर 1969 में बने इस संगठन का पाकिस्तान संस्थापक सदस्य है। दुनिया में मुसलमानों की दूसरी सबसे ज्यादा आबादी वाला भारत इस संगठन का सदस्य नहीं है। पाकिस्तान शुरू से ही इस संगठन का उपयोग भारत के खिलाफ करता आया है। खासकर कश्मीर मुद्दे पर कई बार ओआईसी ने भारत के खिलाफ बयान दिया है। 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद से इस संगठन के तेवर भारत को लेकर काफी नरम देखने को मिले हैं।

यूरिन को फिल्टर कर पी रहे चीनी अंतरिक्ष यात्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन के अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए अपने ही पेशाब को फिल्टर कर पी रहे हैं। दरअसल, चीन ने अप्रैल के अंतिम हफ्ते में अपना स्पेस स्टेशन लॉन्च किया था। इस अंतरिक्ष स्टेशन को चलाने और उपकरणों को व्यवस्थित करने के लिए तीन चीनी अंतरिक्षयात्रियों का एक दल भी यहां पहुंचा हुआ है। चूंकि चीन का अंतरिक्ष स्टेशन अभी शुरूआती स्टेज में है, इसलिए अंतरिक्षयात्रियों को स्वच्छ पानी की आपूर्ति करने के लिए स्वदेशी यूरिन ट्रीटमेंट सिस्टम को लगाया गया है। चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर लगा यूरिन ट्रीटमेंट सिस्टम छह लीटर पेशाब से पांच लीटर डिस्टिल्ड वॉटर बना सकता है। इस स्पेस स्टेशन के चालक दल की सहायता के लिए सिस्टम ने पिछले तीन हफ्तों में 66 लीटर पेशाब को रिसाइकिल किया है। चीन ने इस सिस्टम के ऑपरेशन से जुड़ी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। ऐसा नहीं है कि चीन ने ही पहली बार पेशाब को फिल्टर कर अपने एस्ट्रोनॉट्स के लिए पानी की व्यवस्था की है।